

प्रेषक,

एस0एस0वल्दिया,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
खेल निदेशालय,
उत्तराखण्ड।

खेल अनुभाग -

देहरादून दिनांक : 25 फरवरी, 2008

विषय :- पिथौरागढ़ स्टेडियम कीड़ा स्थल सुधारीकरण से सम्बन्धित आगणन की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 4684/पि.स्टे.सु.प./2006-07 दिनांक-17 जनवरी 2007, के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पिथौरागढ़ स्टेडियम कीड़ा स्थल सुधारीकरण हेतु टी.ए.सी. द्वारा अनुमोदित रु० 7.96 लाख (रुपये सात लाख छियानवें हजार मात्र) की धनराशि वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रदान करते हुए उक्त धनराशि व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- i) आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरे शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक है।
- ii) कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधानित स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधानित स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय एवं सामग्री कय करने से पूर्व स्टोर परजेज नियमों का पालन कराना सुनिश्चित करें।
- iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- iv) एक गुप्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- v) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- vi) कार्य कराने से पूर्व स्थल का भस्ती-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशन तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- vii) आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।

viii) निर्माण सामग्री प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपर्युक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

IX) जी.पी.डब्ल्यू. फार्म की शर्तों के अनुसार निर्माण ईकाई को कार्य सम्पादित करना होगा, तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आंगणन की कुल लागत का निर्माण ईकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।

X) उक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिन मदों के लिए यह स्वीकृत किया जा रहा हो, यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को कनमे का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय कनमे के लिए बजट मैन्युअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा, ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किए गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

XI) उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4202- शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति-पूँजीगत परिव्यय-03-खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम-00-102-खेलकूद स्टेडियम (लघु शीर्षक-108 के स्थान पर) 09-अवस्थापना सुविधाओं का अनुक्षण - 24- गृह निर्माण मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-1041 (पी) वित्त व्यय नियंत्रण-अनुभाग-3 दिनांक- 11 फरवरी 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0एस0वल्दिया)
उपसचिव

पृष्ठांक संख्या- 77 /VI-I/2008-2(4)/2007 तददिनांकित।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
5. वरिष्ठ कौषाधिकारी, देहरादून।
6. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
7. एन0आई0सी0, सचिवालय देहरादून।
8. कार्य अधिकारी, जिला पंचायत, पिथौरागढ़।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(एस0एस0वल्दिया)
उप सचिव